दृष्टि The Vision

drishti

सामान्य अध्ययन

निर्धारित समय: 1 घंटा 30 मिनट
Time allowed: 1 Hour 30 Minutes

अधिकतम अंक: 125
Maximum Marks: 125

Name: आशीष पूनिया

Mobile Number: ____________

Medium (English/Hindi): ____________

Email: ____________

Center & Date: ____________

UPSC Roll No.: ____________

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

All the questions are compulsory.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks
1.	
2.	
3.	
4.	
5.	
6.	
7.	
8.	
9.	
10.	
Grand Total (सकल योग)	

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. जहां सादगी नहीं, वहां महानता नहीं

जब अब्राहम लिंकन USA के राष्ट्रपति बने, एक रोज वह प्रतिनिधि सभा (House of representative) में प्रवेश कर रहे थे, तो एक सीनेटर (सांसद) इन्हें (अपमानित करने के भाव से) बोला - मिस्टर लिंकन ये याद रखना तुम्हारे पिता हमारे परिवार के जूते रिपेयर करते थे।

इस पर लिंकन को गुस्सा नहीं आया बल्कि उनका जवाब सादगी की मिसाल है। वे बोले - हां मुझे पता है मेरे पिताजी ने आपके जूतों का काम किया है; तो अगर उसमें कुछ चूक हुई है क्या?; हुई है तो दीजिए मैं ठीक कर देता हूं और शायद चूक की संभावना तो कम ही रहती है वे अपना काम पूरी तल्लीनता से करते हैं। मुझे उन पर गर्व है।

ये वाकया यह दिखाता है कि सादगी और महानता धुर विरोधी नहीं है बल्कि वे दोनों पास-पास ही

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

पाये जाते है।

UN की पूर्वमहासचिव बानकी मून अपनी पुस्तक "United Nations in divided world में भारत और दक्षिण एशियाई सहकारिता, सहिष्णुता व सादगी की तारीफ करते हुए कहती हैं-

"दुनिया बीते सौ वर्षों में धर्मनीवाद और साम्यवाद की लड़ाई में विभाजित होती आई है। लेकिन अगर इसे आगे बढ़ना है तो एक तीसरी विचारधारा है- सहकारिता और सादगी।"

हालांकि, सादगी अपने आप में व्यापक शब्द है इसके अनगिनत मायने हैं; लेकिन एक जरूरी अभिलक्षण जो है वह है- न्यूनतम संसाधनों में जीवन की सर्वोच्च गरिमा की उपलब्धि।

उदाहरण के रूप में आप पश्चिमी राजस्थान या सिंध के किसी मांगणियार या लंगा समुदाय के संगीत

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

को सुनना; कला की यह बारीक पसंदी शेंगटे खड़े कर देती है। लेकिन जब पता करेंगे उनके पास क्या है- महज एक गोबर-मिट्टी का घर, 10-12 भेड़ और पानी की एक टांकली (यह किस्सा जैसलमेर के एक पद्मश्री विजेता का है)

आधुनिकता और आन की चमक सादगी का चिरंतन उदाहरण तो पीछे ही रह गया। इसका जिक्र जरूरी है जब प्रेम, तथा प्रेम विवाह समाज के केन्द्र में आगए तो क्या ज्योतिबा फूले और सावित्री का प्रेम किसी लैला-मजनूं, शीरी फरहाद से बढ़कर है। क्योंकि यह प्रेम शिक्षा से गरिमा हासिल करता है। (NCERT का भी ध्येय वाक्य है- LIFE ETERNAL THROUGH LEARCINGS)

आगे बढ़ते हुए हम भारतीय ऐतिहासिक - दार्शनिक जीवन में सादगी व महानता के किस्से टटोलते हैं- कन्फ्यूशियस की उक्ति है- "ईश्वर सबको दो जिंदगियां देता है मगर दूसरी तब शुरू होती है, जब आदमी जान जाता है इसे तो एक जिंदगी ही मिली है।"

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

2. जीवन की संपूर्ण सार्थकता और पूर्ण विकास के लिए भारतीय जीवन में भी 4 आश्रमों का उल्लेख किया गया। ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास के माध्यम से सन्तुलन और सादगी को सर्वोच्च मूल्य के रूप में धारण किया गया है।

प्राचीन इतिहास में बौद्ध धर्म अष्टांगिक मध्यम मार्ग सादगी के प्रतिमान निश्चित करता है जो सम्यक् वाक्, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति, सम्यक समाधी, सम्यक दृष्टि, सम्यक आजीविका व सम्यक कार्य के माध्यम से दुःखों से मुक्ति की राह बताते हैं।

आधुनिक मध्यकालीन संत व भक्तिकाव्य भी सादगी की बुनियाद पर खड़े दिखते हैं जहां संसाधनों के संग्रह के बजाय लोक के कल्याण को महत्व दिया गया है। ये कबीर व नानक के निम्न उदाहरणों से देख सकते हैं-

"साईं इतना दीजिए जामे कुटुम्ब समाय
मैं भी भूखा ना रहूं, साधू भी भूखा न जाय"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

तथा नानक जब कहते हैं: "नाम जपो, कीरत करो और वंड छको" तो वे एक सादा जीवन और पड़ोसी के उपकार (उच्च विचार) को सुनिश्चित करते हैं।

वहीं हमारे महाभारत में यशोलभस्वः को महानता की कसौटी निर्धारित किया गया है और इसके लिए सादगीपूर्ण निरन्तर निष्काम कर्म की महत्ता पर बल दिया गया है।

आगे चलकर सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह और सादगी के ये ही मूल्य स्वाधीनता संग्राम को खड़ा करते हैं। गांधी इन मूल्यों का एल्बम कहे जा सकते हैं। वे एक धार्मिक संत होते हुए भी गैर-सांप्रदायिक है; एक सैनिक होते हुए भी अहिंसक है।

गांधी एक अनोखे सैनिक है जिन्होंने भारतीय जनमानस को बिना किसी हथियार के दुनिया के सबसे बड़े साम्राज्य से लड़ने के लिए तैयार किया। इनसे प्रभावित

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

होकर आइंस्टीन ने उनकी मौत पर लिखा " आने वाला विश्व शायद ही इस बात पर विश्वास करेगा कि हाड़-माँस का बना ऐसा आदमी कभी धरती पर हुआ होगा" |

1857 ई. का संग्राम हो या बाद के विद्रोह । भारतीय जनजातीय वनपुत्रों का गौरवगान जितना किया जाए उतना कम है। ये जौहार की प्रकृतिपूजक संस्कृति सादगी की मिसाल हैं और महानता की पराकाष्ठा । आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर छत्तीसगढ़ी का यह "ददरिया" गीत साहस के प्राण फूंकता है -

"दीया मांगे बाती, बाती मांगे तेल
सुराज लेबो अंगरेज, कतका देबो जेल"

इस प्रसंग में द्रोपदी मुर्मू जी का जिक्र अपरिहार्य है उनका राष्ट्रपति पद पर निर्वाचन सादगी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

और महानता के बीच के तथाकथित अंतर को भरता है। उनके निर्वाचन पर भारतीय राष्ट्रपति श्री कोविंद ने बधाई देते हुए कहा - " This victory bridging the gap between Nation's first citizen and the last citizen.

ये सादगी न केवल महान व्यक्तित्वों और इतिहास में अपेक्षित है बल्कि राजव्यवस्था और प्रशासनिक जीवन में भी अपरिहार्य है।

बीते दिनों ट्विटर पर एक पोस्ट में देखा गया। उस्मानाबाद कलेक्टर श्री ए. देवगांवकर दिव्यांग की शिकायत सुनने के लिए स्वयं जमीन पर बैठ गए। ये उदाहरण महानता का सबसे बड़ा उदाहरण भले न हो प्रशासन और जन के बीच दूरी तो मिटाता ही है।

ये ही सादगी चुनावों की निष्पक्षता, राजनीति की शुचिता और कानूनों के संहिताकरण में चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

फणीश्वरनाथ रेणु ने एक बार कहा था " भारत में धन, लाठी और जाति के बिना चुनाव नहीं होते और मैं इन तीनों के बिना चुनाव लड़ूँगा"।

दूसरी बात सादगी कानूनों के निर्माण व संहिताकरण में भी आवश्यक है क्योंकि ये अंततः जनता के लिए होते हैं ना कि जजों के लिए। नेपोलियन ने कहा था -

"कानून इतना छोटा होना चाहिए कि उसे कोट की जेब में रखकर चला जा सके और इतना सारगर्भित हो कि उसे आम किसान भी समझ सके"।

राजनीतिक जीवन की शुचिता आर्थिक जीवन में भी महान उपलब्धियाँ निर्धारित करती है। "आत्मनिर्भर भारत" की बुनियाद ही सादगी है जो घरेलू लघु मध्यम (msme) उद्योगों को सुनिश्चित करेगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

आत्मनिर्भर भारत में वायब्रेंट डेमोग्राफी, इन्फ्रास्ट्रक्चर, डिमांड ड्रिवन इकॉनमी, तथा तकनीकी सिस्टम से इकॉनमी में क्वांटम जंप की परिकल्पना की गई है।

सादगी के अभाव में क्रोनी कैपीटलिज्म, गलत बैलेंस शीट प्रस्तुत करना तथा कॉमर्स विदाउट मोरलिटी जैसी घटनाएँ देखी जाती है।

केवल सादगी एक विचार है जो 2047 ई. तक अमृतकाल को हरित-काल के साथ सामञ्जस्य कर सकता है। विकास के साथ पर्यावरण का संरक्षण तथा नेट जीरो लक्ष्य हासिल करना नए मूल्य बन रहे हैं। इस संदर्भ में सरोजनी मोहन्ती और तुलसी गौड़ा का उदाहरण अनुकरणीय है। सरोजनी ओडिशा में वन विभाग में 3.5$ प्रतिदिन की मजदूर है लेकिन

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. प्रकृति के प्रति सम्मान इतना कि 5 एकड़ भूमि में एक भी पौधे को सूखने नहीं दिया। वन विभाग ने इनके नाम पर इस भूमि को सरोजनी वन का नाम दिया है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में एक बात और है जो सादगी पर सवाल खड़े करती है। अंग्रेजी बोलने को अभिजात्यता और ज्ञान की पहचान माना जाता है लेकिन हिन्दी ~~को~~ एवं भारतीय भाषाओं की सादगी व मधुरता सराहनीय है। रघुवीर सहाय लिखते हैं:-

"हाथियारों के नाम अंग्रेजी में है
पुरस्कारों के हिन्दी में
युद्ध की भाषा अंग्रेजी है
विजय की हिन्दी"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

सादगी जीवन के प्रत्येक पहलू में संतोष व आत्मविश्वास को एक साथ समाहित करता है। भारतीय इतिहास लाल बहादुर शास्त्री जी, एम विश्वेश्वर्या से लेकर द्रोपदी मुर्मू जी तक ऐसे असंख्य उदाहरणों की गवाही देता है।

सादगी कम संसाधनों में अधिकतम संभावनाओं को टटोलने की विद्या है।

"हजारों निरर्थक शब्द कहने के बजाय एक शब्द कहो जिससे शांति कायम हो"। - [गौतम बुद्ध]

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

5. जीवन में दो त्रासदियां है। एक अपने दिल की ख्वाहिश न पाने की; दूसरी, पाने की।

"जब सतजुग था
देव - असुर लड़े थे, दोनों दो लोक से थे
जब त्रेता युग था
राम - रावण लड़े, दोनों दो देश थे
जब द्वापर आया
कौरव - पांडव लड़े, एक गांव के लिए
अब कलियुग है
देवासुर संग्राम बहुत बाहर नहीं होता।
सबके अंतस में ही होता है"

महाभारत के अठारहवें अध्याय में युधिष्ठिर युद्ध जीतने के उपरांत विभीषिका से दुखी है और पाते हैं कि अपनी एक 'विजय' शब्द के लिए कितना रक्त बहा।

एक और उदाहरण है अशोक कलिंग तो जीत लेते हैं लेकिन अपने भीतर ही भीतर ही त्रासदी से क्षुब्ध हैं। ये विडंबना ख्वाहिशों

Copyright – Drishti The Vision Foundation

को नहीं पाने की न होकर, पा लेने की त्रासदी को व्यक्त करती है।

अस्तित्ववादी विचारक सार्त्र कहते हैं कि व्यक्ति का निर्णय भले ही कितना ही सोच समझकर किया गया हो, लेकिन असंतोष सदैव रहता ही है।

अब प्रश्न यह उठता है कि जब अपने लक्ष्य में सफल न हो तो त्रासदी असफलता है लेकिन सफल होने पर भी बचना संभव नहीं है तो क्या करें? प्रयास ही छोड़ दें नहीं। उत्तर है सम्यक् दृष्टि।

अर्थात् हर लक्ष्य की प्राप्ति त्रासदी उत्पन्न नहीं करती है में सार्वभौमिक मूल्य होते हैं प्रेम, न्याय, स्वतंत्रता, समता आदि।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

लेकिन जब इनकी कीमत पर कुछ हासिल किया जाएगा तो त्रासदी जरूरी घटना है। कहा गया है "अगर किसी सफलता की कीमत शांति है, तो ये बहुत महँगी है"।

उदाहरण के लिए कोई राष्ट्र राज्य परमाणु हथियार बनाने के लिए आमादा है। यदि वह इसे नहीं बना पाता है तो सुरक्षा और संप्रभुता के खतरे की त्रासदी बनी रहती है। और अगर वह सफल हो गया तो परमाणु युद्ध का खतरा तथा इन हथियारों के आतंकवादियों के हाथों में चले जाने का खतरा बना रहेगा।

इस और उदाहरण से देखते हैं सभी देशों ने पेरिस और ग्लासगो में पूरी दुनिया के सामने

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. अपने INDC तथा हरित लक्ष्यों को दोहराया है। अब नेट जीरो लक्ष्य पूरा करने के लिए नई प्रतिस्पर्धा शुरू हो गयी है - दुर्लभ धातुओं के खनन की।

अब यदि ये लक्ष्य पूरे होते हैं तो खनन, पुनर्वास, असंधारणीय व विषम विकास पर होंगे जो लक्ष्य के पालेने की त्रासदी दिखाता है और ये INDC लक्ष्य यदि पूरे ना सके हो सके तो त्रासदी निम्न शब्दों में बयां करी जा सकती है, देखने के लिए हमारी आंखें तत्पर न हो सकेंगी।

"अंतिम वृक्ष को काट लिए जाने के बाद,
अंतिम नदी को विषाक्तकर देने के बाद
अंतिम मछली को पकड़ लिए जाने के बाद
हम पाएंगे कि
पैसे को खाया नहीं जा सकता है"

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

UN महासचिव एंटोनियो गुटेरस एक लेख में कहते हैं " A word favouring Short term relief over long term well-being is Addiction."

हम सब लोग परिणाम-आधारित विश्व व्यवस्था में तुरंत लाभ या ख्वाहिशों को हासिल करने की लत के शिकार हैं। साधन की पवित्रता का ख्याल ही नहीं रह गया है। जिसे देखो शॉर्टकट रास्ता दिखा रहा है - चाहे इकॉनमी हो, राजनीति हो या धर्म।

खेती किसानी को ही देखें अगर फसल खराब हो गई तो विकराल समस्या लेकर आती है किसान आत्महत्या से लेकर खाद्य सुरक्षा तक तमाम मुद्दे उभरते हैं।

लेकिन यदि फसल अच्छी हुई है तो यह मिट्टी की बंजरता, उर्वरकों के अति- उपयोग की कीमत

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

पर हुई है तथा नयी समस्याएँ लेकर आती है बाजार मूल्यों का कम होना हो या कोबवेब चक्र की बात हो।

तो ऐसे में सवाल है कि क्या चार्वाक के लोकायत को ही साध्य मान लिया जाए?

"यावद् जीवेत् सुखम् जीवेत् ऋणं कृत्वा घृतं पीबेत्, भस्मीभूतस्य देहस्य पुनरागमन कुतः;"

लेकिन यह भी संभव नहीं क्योंकि यदि इस तरह की रेवड़ी कल्चर को बढ़ावा दिया जाता है तो यह सम्पूर्ण बाजार की नैतिक व्यवस्था और सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है।

ऐसे में एक संतुलित जीवन दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो कर्तव्य को अधिकारों के

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

7. साथ बराबर महत्व दे, परिवेश के प्रति सजग बनाये और स्वयं अपने से सवाल पूछने को प्रेरित करे-

अब तक क्या किया?
जीवन क्या जिया?
उदरम्भरि बन अनात्म बन गए
भूतों की शादी में कनात से तन गए
बन गए किसी व्यभिचारी के बिस्तर

एक बात और भी पता है हार और जीत दोनों साथही लेकर आती हैं। सिकन्दर के बारे में कहावत के साथ-साथ यह सच्चाई भी है कि वह पूरी दुनिया को जीत लेने के बावजूद खाली हाथ लौटा।

ऐसे में मानव अपनी प्रकृति और प्रवृत्ति के अनुसार नित जीवन की सार्थकता की तलाश

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

में लगा रहता है। 2022 में बुकर प्राइज विजेता गीतांजलि श्री की पुस्तक 'The Tomb of Sand' का अंश है -

" शांति से ज्यादा क्रांति मगन करती है, शील से अधिक अश्लील, आराधना से ज्यादा दहाड़ना, बनाने से ज्यादा बिगाड़ना, धीर से ज्यादा अधीर, चुपचाप से ज्यादा मारधाप।"

ऐसे में सार्थकता और त्रासदी रहित जीवन का आधार परोपकार और मानवतावाद हो सकता है जो प्राणीमात्र के प्रति करुणा का संचार करे।

भारतीय उपनिषदों में ज्ञान, गुरु और यज्ञ से जीवन को प्रकाशित करने का पथ

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रशान्त होता है-

"असतो मा सदगमय
तमसो मा ज्योतिर्गमय
मर्त्योमा मा अमृतमगमय"

(बृहदारण्यक उपनिषद)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation